

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। गुणानां॑ त्वा। गुणप॑तिमिति गुण-प॑तिम्। हवाम॑हे।
क॒विम्। क॒वीनाम्। उ॒प॒मश्र॑वस्तम॒मित्यु॒प॒मश्र॑वः-त॒मम्॥
ज्येष्ठ॑राजमिति ज्येष्ठ-राजम्। ब्रह्म॑णाम्। ब्रह्म॑णः। प॒ते।
एति॑। नः। शृ॒ण्वन्। उ॒तिभि॑रित्यूति-भिः। सी॒द। सा॒दनम्॥

नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो। ते। इष॑वे। नमः॑॥ नमः॑। ते।
अ॒स्तु। ध॒न्व॒ने। बा॒हुभ्या॑मिति बा॒हु-भ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॑॥
या। ते। इषुः॑। शि॒वत॑मेति शिव-त॒मा। शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते।
ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। तव॑। तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒ड॒य॥
या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः। अघो॑रा। अपा॑पकाशिनीत्यपा॑प-
का॒शिनी॑॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑। श॒न्त॑म॒येति॑ श॒म्-त॒म॒या।
गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॒। अ॒भीति॑। चा॒क॒शीहि॑॥ या॒म्।
इषु॑म्। गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॒। ह॒स्ते॑।(१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि॒-त्र॒। ताम्।
कुरु॑। मा। हि॒॒सीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा।
त्वा। गि॒रि॒श॑। अ॒च्छा॑। व॒दा॒म॒सि॥ यथा॑। नः। स॒र्वम्॥
इत्। जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒म॒ना इति॑ सु-म॒नाः॑। अ॒स॒त्॥
अ॒धीति॑। अ॒वो॒च॒त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि-व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः।
भि॒षक्॥ अ॒हीन्। च॒। स॒र्वान्। ज॒म्भ॒यन्। स॒र्वाः। च॒।
या॒तु॒धा॒न्य इति॑ या॒तु॒-धा॒न्यः॥ अ॒सौ। यः। ताम्रः॑। अ॒रु॒णः।
उ॒त। ब॒भ्रुः। सु॒म॒ङ्ग॒ल इति॑ सु-म॒ङ्ग॒लः॥ ये। च॒। इ॒माम्।

रुद्राः। अ॒भितः। दि॒क्षु।(२)

श्रि॒ताः। स॒हस्र॒श इति॑ सह॒स्र-शः। अवेति॑। ए॒षाम्। हेडः।
 ई॒म॒हे॥ असौ। यः। अ॒व॒स॒र्प॒तित्य॑व-स॒र्प॒ति। नील॑ग्री॒व इति॑
 नील॑-ग्री॒वः। विलो॑हित॒ इति॑ वि-लो॒हितः॥ उ॒त। ए॒नम्। गो॒पा
 इति॑ गो-पाः। अ॒दृ॒शन्। अ॒दृ॒शन्। उ॒द॒हा॒र्य इत्यु॑द-हा॒र्यः॥ उ॒त।
 ए॒नम्। वि॒श्वः॥ भू॒तानि॑। सः। दृ॒ष्टः। मृ॒ड॒या॒ति। नः॥ नमः॥
 अ॒स्तु। नील॑ग्री॒वायेति॑ नील॑-ग्री॒वा॒य। स॒ह॒स्रा॒क्षायेति॑ सह॒स्र-
 अ॒क्षाय॑। मी॒दुषे॑॥ अथो॒ इति॑। ये। अ॒स्य। स॒त्वा॒नः। अ॒हम्।
 तेभ्यः॑। अ॒क॒रम्। नमः॥ प्रेति॑। मु॒ञ्च। ध॒न्व॒नः। त्वम्। उ॒भयोः॑।
 आर्त्त्रि॑योः। ज्याम्॥ याः। च। ते। ह॒स्ते॑। इष॑वः।(३)

परेति॑। ताः। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः। व॒प॥ अ॒व॒त॒त्येत्य॑व-त॒त्य॑।
 ध॒नुः। त्वम्। स॒ह॒स्रा॒क्षेति॑ सह॒स्र-अ॒क्ष। श॒तेषु॑ध॒ इति॑ श॒त-
 इषु॑धे॥ नि॒शी॒र्येति॑ नि-शी॒र्य॑। श॒ल्याना॑म्। मु॒खा॑। शि॒वः। नः।
 सु॒म॒ना इति॑ सु-म॒नाः॥ भ॒व॥ वि॒ज्य॒मिति॑ वि-ज्य॒म्। ध॒नुः।
 क॒प॒र्दिनः॑। वि॒श॒ल्य इति॑ वि-श॒ल्यः॥ बा॒ण॑वा॒निति॑ बा॒ण॑-वा॒न्।
 उ॒त॥ अ॒ने॒शन्। अ॒स्य। इष॑वः। आ॒भुः। अ॒स्य। नि॒ष॒ङ्ग॒थिः॥
 या। ते। हे॒तिः। मी॒दुष्ट॑मेति॑ मी॒दुः-त॒म्। ह॒स्ते॑। ब॒भू॒व॥ ते।
 ध॒नुः॥ तया॑। अ॒स्मान्। वि॒श्वतः॑। त्वम्। अ॒य॒क्ष्मया॑। प॒रीति॑।
 भु॒ज॥ नमः॥ ते। अ॒स्तु। आ॒यु॒धाय॑। अ॒ना॒त॒तायेत्य॑ना॒-त॒ता॒य॥
 धृ॒ष्ण॒वे॑॥ उ॒भाभ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॥ बा॒हुभ्या॑मिति॑ बा॒हु-

भ्याम्। तवं। धन्वने॥ परीतिं। ते। धन्वनः। हेतिः। अस्मान्।
वृणक्तु। विश्वतः॥ अथो इति। यः। इषुधिरितीषु-धिः। तवं।
आरे। अस्मत्। नीतिं। धेहि। तम्॥(४)

नमः। हिरण्यबाहव इति हिरण्य-बाहवे। सेनान्य इति
सेना-न्ये। **दिशाम्। च। पतये। नमः। नमः। वृक्षेभ्यः।
हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। पशूनाम्। पतये। नमः।
नमः। सस्मिञ्जराय। त्विषीमत् इति त्विषी-मते। पृथीनाम्।
पतये। नमः। नमः। बभ्रुशाय। विव्याधिन् इति वि-व्याधिने।
अन्नानाम्। पतये। नमः। नमः। हरिकेशायेति हरि-केशाय।
उपवीतिन् इत्युप-वीतिने। पुष्टानाम्। पतये। नमः। नमः।
भुवस्य। हेत्यै। जगताम्। पतये। नमः। नमः। रुद्राय।
आतताविन् इत्या-तताविने। क्षेत्राणाम्। पतये। नमः। नमः।
सूताय। अहन्त्याय। वनानाम्। पतये। नमः। नमः।(५)

रोहिताय। स्थपतये। वृक्षाणाम्। पतये। नमः। नमः। मन्त्रिणे।
वाणिजाय। कक्षाणाम्। पतये। नमः। नमः। भुवन्तये।
वारिवस्कृतायेति वारिवः-कृताय। ओषधीनाम्। पतये।
नमः। नमः। उच्चैर्घोषायेत्युच्चैः-घोषाय। आक्रन्दयत् इत्या-
क्रन्दयते। पत्तीनाम्। पतये। नमः। नमः। कृत्स्नवीतायेति
कृत्स्न-वीताय। धावते। सत्वंनाम्। पतये। नमः॥(६)

नमः। सहमानाय। निव्याधिन् इति नि-व्याधिने।
आव्याधिनीनामित्या-व्याधिनीनाम्। पतये। नमः। नमः।

क॒कुभाय॑। नि॒षङ्गि॒ण इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। स्ते॒नाना॑म्। पत॑ये।
 नमः॑। नमः॑। नि॒षङ्गि॒ण इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। इ॒षुधि॑मत् इती॑षुधि-
 मते॑। तस्करा॑णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। व॒श्वते॑। प॒रिव॑श्वत्
 इति॑ प॒रि-व॑श्वते। स्ता॒यूना॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। नि॒चेर॑व
 इति॑ नि-चे॒रवे॑। प॒रिच॑रायेति॑ प॒रि-च॑राय॑। अ॒रण्या॑नाम्।
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒विभ्य॑ इति॑ सू॒का॒वि-भ्यः॑।
 जिघा॑स॒द्भ्य इति॑ जिघा॑स॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ताम्। पत॑ये।
 नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒द्भ्य इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। न॒क्तम्। च॒र॒द्भ्य
 इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ताना॑मिति॑ प्र-कृ॒न्ताना॑म्। पत॑ये। नमः॑।
 नमः॑। उ॒ष्णी॒षिणै॑। गि॒रि॒च॒रायेति॑ गि॒रि-च॒राय॑। कु॒लु॒श्चाना॑म्।
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑।(७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒विभ्य॑ इति॑ ध॒न्वा॒वि-भ्यः॑।
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒नेभ्य॑ इत्या॑-त॒न्वा॒नेभ्यः॑।
 प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्य॑ इति॑ प्र॒ति-द॒धा॒नेभ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑।
 आ॒य॒च्छ॒द्भ्य इत्या॑य॒च्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑।
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॒द्भ्य इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॒द्भ्य इति॑
 वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒सी॒नेभ्यः॑। श॒या॒नेभ्यः॑।
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒द्भ्य इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः॑। जा॒ग्र॒द्भ्य
 इति॑ जा॒ग्र॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। ति॒ष्ठ॒द्भ्य इति॑
 ति॒ष्ठ॒त्-भ्यः॑। धा॒व॒द्भ्य इति॑ धा॒व॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑।
 नमः॑। स॒भा॒भ्यः॑। स॒भा॒प॒तिभ्य॑ इति॑ स॒भा॒प॒ति-भ्यः॑। च॒। वः॑।

नमः। नमः। अश्वेभ्यः। अश्वपतिभ्य इत्यश्वपति-भ्यः। च।
वः। नमः॥(८)

नमः। आव्याधिनीभ्य इत्या-व्याधिनीभ्यः। विविध्यन्तीभ्य
इति वि-विविध्यन्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उगणाभ्यः।
तृहतीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृत्सेभ्यः। गृत्सपतिभ्य
इति गृत्सपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। ब्रातेभ्यः।
ब्रातपतिभ्य इति ब्रातपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
गणेभ्यः। गणपतिभ्य इति गणपति-भ्यः। च। वः। नमः।
नमः। विरूपेभ्यः। विश्वरूपेभ्य इति विश्व-रूपेभ्यः। च। वः।
नमः। नमः। महद्भ्य इति महत्-भ्यः। क्षुल्लकेभ्यः। च। वः।
नमः। नमः। रथिभ्य इति रथि-भ्यः। अरथेभ्यः। च। वः।
नमः। नमः। रथेभ्यः।(९)

रथपतिभ्य इति रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। सेनाभ्यः।
सेनानिभ्य इति सेनानि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्षत्तृभ्य
इति क्षत्तृ-भ्यः। सङ्गृहीतृभ्य इति सङ्गृहीतृ-भ्यः। च। वः। नमः।
नमः। तक्षभ्य इति तक्ष-भ्यः। रथकारेभ्य इति रथ-कारेभ्यः।
च। वः। नमः। नमः। कुलालेभ्यः। कर्मरिभ्यः। च। वः। नमः।
नमः। पुञ्जिष्टेभ्यः। निषादेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इषुकृद्भ्य
इतीषुकृत्-भ्यः। धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः।
नमः। मृगयुभ्य इति मृगयु-भ्यः। श्वनिभ्य इति श्वनि-भ्यः।
च। वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति

श्व॒प॒ति॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑॥(१०)

नमः॑। भ॒वाय॑। च॒। रु॒द्राय॑। च॒। नमः॑। श॒र्वाय॑। च॒। प॒शु॒प॒त॒ये॑।
 च॒। नमः॑। नी॒ल॒ग्री॒वा॒येति॑ नी॒ल॒-ग्री॒वा॒य॑। च॒। शि॒ति॒क॒ण्ठा॒येति॑
 शि॒ति॒-क॒ण्ठा॒य॑। च॒। नमः॑। क॒प॒र्दि॒ने॑। च॒। व्यु॒त्त॒के॒शा॒येति॑
 व्यु॒त्त॒-के॒शा॒य॑। च॒। नमः॑। स॒ह॒स्रा॒क्षा॒येति॑ स॒ह॒स्र॒-अ॒क्षा॒य॑। च॒।
 श॒त॒ध॒न्व॒न॒ इति॑ श॒त॒-ध॒न्व॒ने॑। च॒। नमः॑। गि॒रि॒शा॒य॑। च॒।
 शि॒पि॒वि॒ष्टा॒येति॑ शि॒पि॒-वि॒ष्टा॒य॑। च॒। नमः॑। मी॒दु॒ष्ट॒मा॒येति॑ मी॒दुः-
 त॒मा॒य॑। च॒। इ॒षु॒म॒त॒ इती॒षु॒-म॒ते॑। च॒। नमः॑। ह॒स्वा॒य॑। च॒।
 वा॒म॒ना॒य॑। च॒। नमः॑। बृ॒ह॒ते॑। च॒। वर्षी॑यसे। च॒। नमः॑। वृ॒द्धा॒य॑।
 च॒। स॒ंवृ॒ध्व॒न॒ इति॑ स॒म्-वृ॒ध्व॒ने॑। च॒॥(११)

नमः॑। अ॒ग्नि॒या॒य॑। च॒। प्र॒थ॒मा॒य॑। च॒। नमः॑। आ॒श॒वै॑। च॒।
 अ॒जि॒रा॒य॑। च॒। नमः॑। शी॒घ्रि॒या॒य॑। च॒। शी॒भ्या॑य॒। च॒।
 नमः॑। ऊ॒र्म्या॑य॒। च॒। अ॒व॒स्व॒न्या॑येत्य॒व॒-स्व॒न्या॑य॒। च॒। नमः॑।
 स्रो॒त॒स्या॑य॒। च॒। द्वी॒प्या॑य॒। च॒॥(१२)

नमः॑। ज्ये॒ष्ठा॒य॑। च॒। क॒नि॒ष्ठा॒य॑। च॒। नमः॑। पू॒र्व॒जा॒येति॑
 पू॒र्व॒-जा॒य॑। च॒। अ॒पर॒जा॒येत्य॒पर॒-जा॒य॑। च॒। नमः॑। म॒ध्य॒मा॒य॑।
 च॒। अ॒प॒ग॒ल्भा॒येत्य॒प॒-ग॒ल्भा॒य॑। च॒। नमः॑। ज॒घ्न्या॑य॒।
 च॒। बु॒ध्नि॒या॒य॑। च॒। नमः॑। सो॒भ्या॑य॒। च॒। प्र॒ति॒स॒र्या॑येति॑
 प्र॒ति॒-स॒र्या॑य॒। च॒। नमः॑। या॒म्या॑य॒। च॒। क्षे॒म्या॑य॒। च॒।
 नमः॑। उ॒र्व॒र्या॑य॒। च॒। ख॒ल्या॑य॒। च॒। नमः॑। श्लो॒क्या॑य॒।

च। अ॒व॒सा॒न्यायेत्य॑व॒सा॒न्याय॑। च। नमः॑। व॒न्याय॑। च।
क॒क्ष्याय॑। च। नमः॑। श्र॒वाय॑। च। प्र॒तिश्र॑वायेति॑ प्र॒ति-श्र॑वाय॑।
च॥(१३)

नमः॑। आ॒शुषे॑णायेत्या॒शु-से॒नाय॑। च। आ॒शु॒र॒थायेत्या॑शु-र॒थाय॑।
च। नमः॑। शू॒राय॑। च। अ॒व॒भि॒न्द॒त इत्य॑व॒भि॒न्द॒ते। च। नमः॑।
व॒र्मि॒णे॑। च। व॒रू॒धि॒ने॑। च। नमः॑। बि॒ल्मि॒ने॑। च। क॒व॒चि॒ने॑।
च। नमः॑। श्रु॒ताय॑। च। श्रु॒त॒से॒नायेति॑ श्रु॒त-से॒नाय॑। च॥(१४)

नमः॑। दु॒न्दु॒भ्याय॑। च। आ॒ह॒न॒न्यायेत्या॑ह॒न॒न्याय॑। च। नमः॑।
धृ॒ष्ण॒वे॑। च। प्र॒मृ॒शायेति॑ प्र॒मृ॒शाय॑। च। नमः॑। दू॒ताय॑। च।
प्र॒हि॒तायेति॑ प्र॒हि॒ताय॑। च। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण इति॑ नि॒स॒ङ्गि॒ने॑।
च। इ॒षु॒धि॒म॒त इती॑षु॒धि॒म॒ते॑। च। नमः॑। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑
ती॒क्ष्ण॒-इ॒ष॒वे॑। च। आ॒यु॒धि॒ने॑। च। नमः॑। स्वा॒यु॒धायेति॑ सु॒-
आ॒यु॒धाय॑। च। सु॒ध॒न्व॒न इति॑ सु॒ध॒न्व॒ने॑। च। नमः॑। सु॒त्याय॑।
च। प॒थ्याय॑। च। नमः॑। का॒ट्याय॑। च। नी॒प्याय॑। च। नमः॑।
सू॒द्याय॑। च। स॒र॒स्याय॑। च। नमः॑। ना॒द्याय॑। च। वै॒श॒न्ताय॑।
च॥(१५)

नमः॑। कू॒प्याय॑। च। अ॒व॒ट्याय॑। च। नमः॑। व॒र्ष्याय॑। च।
अ॒व॒र्ष्याय॑। च। नमः॑। मे॒घ्याय॑। च। वि॒द्यु॒त्यायेति॑ वि॒द्यु॒त्याय॑।
च। नमः॑। ई॒ध्रिया॑य। च। आ॒त॒प्यायेत्या॑त॒प्याय॑। च। नमः॑।
वा॒त्याय॑। च। रे॒ष्मिया॑य। च। नमः॑। वा॒स्त॒व्याय॑। च।
वा॒स्तु॒पायेति॑ वा॒स्तु॒पाय॑। च॥(१६)

नमः। सोमाय। च। रुद्राय। च। नमः। ताम्राय। च। अरुणाय।
 च। नमः। शङ्गाय। च। पशुपतय इति पशु-पतये। च।
 नमः। उग्राय। च। भीमाय। च। नमः। अग्रेवधायेत्यग्रे-वधाय।
 च। दूरेवधायेति दूरे-वधाय। च। नमः। हन्त्रे। च। हनीयसे।
 च। नमः। वृक्षेभ्यः। हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। नमः।
 ताराय। नमः। शम्भव इति शम्-भवे। च। मयोभव इति मयः-
 भवे। च। नमः। शङ्करायेति शम्-कराय। च। मयस्करायेति
 मयः-कराय। च। नमः। शिवाय। च। शिवतरायेति शिव-
 तराय। च।(१७)

नमः। तीर्थाय। च। कूल्याय। च। नमः। पार्याय।
 च। अवार्याय। च। नमः। प्रतरणायेति प्र-तरणाय।
 च। उत्तरणायेत्युत्-तरणाय। च। नमः। आतार्यायेत्या-
 तार्याय। च। आलाद्यायेत्या-लाद्याय। च। नमः। शष्याय।
 च। फेन्याय। च। नमः। सिकत्याय। च। प्रवाह्यायेति
 प्र-वाह्याय। च॥(१८)

नमः। इरिण्याय। च। प्रपथ्यायेति प्र-पथ्याय। च। नमः।
 किंशिलाय। च। क्षयणाय। च। नमः। कपर्दिने। च।
 पुलस्तये। च। नमः। गोष्प्रायेति गो-स्थ्याय। च। गृह्याय।
 च। नमः। तल्प्याय। च। गेह्याय। च। नमः। काट्याय।
 च। गह्वरेष्ठायेति गह्वरे-स्थाय। च। नमः। हृदय्याय। च।
 निवेष्ट्यायेति नि-वेष्ट्याय। च। नमः। पांसव्याय। च।

रु॒ज॒स्या॒य। च॒। नमः॑। शु॒ष्क्या॒य। च॒। ह॒रि॒त्या॒य। च॒। नमः॑।
लो॒प्या॒य। च॒। उ॒ल॒प्या॒य। च॒।(१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्या॒य। च॒। सू॒र्म्या॒य। च॒। नमः॑। पु॒र्ण्या॒य। च॒।
प॒र्ण॒श॒द्या॒येति॑ प॒र्ण॒श॒द्या॒य। च॒। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णायेत्य॒प॒-
गु॒रमा॑णाय। च॒। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च॒। नमः॑। आ॒खि॒व॒द॒त
इत्या॑-खि॒द॒ते। च॒। प्र॒खि॒व॒द॒त इति॑ प्र॒खि॒द॒ते। च॒। नमः॑। वः॒।
कि॒रि॒के॒भ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृद॒ये॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्य इति॑
वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्य इति॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यः॑।
नमः॑। आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्य इत्या॑निः-ह॒ते॒भ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्के॒भ्य
इत्या॑मी॒व॒त्के॒भ्यः॑॥(२०)

द्रा॒पै॑। अ॒न्य॑सः। प॒ते। द॒रि॒द्र॒त्। नि॒ल॑लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॑-लो॒हि॒त्॥
ए॒षाम्। पु॒रु॒षा॒णाम्। ए॒षाम्। प॒शूना॑म्। मा॒। भेः॑। मा॒। अ॒रः॑।
मो इति॑। ए॒षाम्। कि॒म्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥ या॒। ते॒। रु॒द्र।
शि॒वा। त॒नूः। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॑भे॒ष॒जीति॑ वि॒श्वा॒ह॑-भे॒ष॒जी॑॥
शि॒वा। रु॒द्रस्य॑। भे॒ष॒जी। तया॑। नः॑। मृ॒डा। जी॒व॒से॑॥ इ॒माम्।
रु॒द्राय॑। त॒व॒से॑। क॒प॒र्दि॒ने॑। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य।
प्रेति॑। भ॒राम॑हे। म॒तिम्॥ यथा॑। नः॑। श॒म्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द
इति॑ द्वि॒प॒दे॑। च॒तु॑ष्प॒द इति॑ च॒तुः-प॒दे। वि॒श्वम्। पु॒ष्टम्।
ग्रा॒मे॑। अ॒स्मिन्॑।(२१)

अना॑तु॒र॒मि॒त्यना॑-तु॒र॒म्॥ मृ॒डा। नः॑। रु॒द्र। उ॒ता। नः॑। म॒यः॑।
कृ॒धि। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य। नम॑सा। वि॒धे॒म्। ते॒॥

यत्। शम्। च। योः। च। मनुः। आयज इत्या-यजे। पिता।
 तत्। अश्याम्। तव। रुद्र। प्रणीताविति प्र-नीतौ॥ मा। नः।
 महान्तम्। उत। मा। नः। अर्भकम्। मा। नः। उक्षन्तम्। उत।
 मा। नः। उक्षितम्॥ मा। नः। वधीः। पितरम्। मा। उत।
 मातरम्। प्रियाः। मा। नः। तनुवः।(२२)

रुद्र। रीरिषः॥ मा। नः। तोके। तनये। मा। नः। आयुषि।
 मा। नः। गोषु। मा। नः। अश्वेषु। रीरिषः॥ वीरान्। मा।
 नः। रुद्र। भामितः। वधीः। हविष्मन्तः। नमसा। विधेम। ते॥
 आरात्। ते। गोघ्न इति गो-घ्ने। उत। पूरुषघ्न इति पूरुष-घ्ने।
 क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। सुम्रम्। अस्मे इति। ते। अस्तु॥
 रक्षा। च। नः। अधीति। च। देव। ब्रूहि। अधा। च। नः।
 शर्म। यच्छ। द्विबर्हा इति द्वि-बर्हाः॥ स्तुहि।(२३)

श्रुतम्। गर्तसदमिति गर्त-सदम्। युवानम्। मृगम्। न।
 भीमम्। उपहृत्तम्। उग्रम्॥ मृडा। जरित्रे। रुद्र। स्तवानः।
 अन्यम्। ते। अस्मत्। नीति। वपन्तु। सेनाः॥ परीति।
 नः। रुद्रस्य। हेतिः। वृणक्तु। परीति। त्वेषस्य। दुर्मतिरिति
 दुः-मतिः। अघायोरित्यघा-योः॥ अवेति। स्थिरा। मघवञ्च
 इति मघवत्-भ्यः। तनुष्व। मीढ्वः। तोकाय। तनयाय।
 मृडय॥ मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। शिवतमेति शिव-तम्।
 शिवः। नः। सुमना इति सु-मनाः। भव॥ परमे। वृक्षे।
 आयुधम्। निधायेति नि-धाय। कृत्तिम्। वसानः। एति।

चर। पिनाकम्।(२४)

बिभ्रत्। एति। गृहि॥ विकिरिदेति वि-किरिद्। विलोहितेति
वि-लोहिता। नमः। ते। अस्तु। भगव इति भग-वः॥ याः। ते।
सहस्रम्। हेतयः। अन्यम्। अस्मत्। नीति। वपन्तु। ताः॥
सहस्राणि। सहस्रधेति सहस्र-धा। बाहुवोः। तव। हेतयः॥
तासाम्। इशानः। भगव इति भग-वः। पराचीना। मुखौ।
कृधि॥(२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति।
भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति।
धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।
भवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा
इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः। अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा
इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।
रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्मिञ्जराः।
नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। विलोहिता इति वि-लोहिताः॥
ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति
वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अन्नैषु। विविध्यन्तीति वि-
विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबन्तः। जनान्। ॥ ये। पथाम्। पथिरक्षय
इति पथि-रक्षयः। ऐलबृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि।(२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सृकावन्त इति सृका-वन्तः। निषङ्गिण
इति नि-सङ्गिनः॥ ये। एतावन्तः। च। भूयांसः। च। दिशः।

रुद्राः। वि॒त॒स्थि॒र॒ इति॑ वि॒-त॒स्थि॒रे॥ तेषा॑म्। स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न॒
इति॑ स॒ह॒स्र॒-यो॒ज॒ने। अवे॑ति। ध॒न्वा॑नि। त॒न्म॒सि॒॥ नमः॑।
रु॒द्रेभ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्याम्। ये। अ॒न्तरि॑क्षे। ये। दि॒वि। येषा॑म्।
अ॒न्नम्। वा॒तः। व॒रु॒षम्। इ॒ष॒वः। तेभ्यः॑। द॒श। प्रा॒चीः। द॒श।
द॒क्षि॒णा। द॒श। प्र॒ती॒चीः। द॒श। उ॒दी॒चीः। द॒श। उ॒र्ध्वाः। तेभ्यः॑।
नमः॑। ते। नः। मृ॒ड॒य॒न्तु। ते। यम्। द्वि॒ष्मः। यः। च। नः।
द्वेष्टि॑। तम्। वः। ज॒म्भै॑। द॒धा॒मि॒॥ (२७)

त्र्य॒म्ब॒क॒मि॒ति॒ त्रि॒-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जाम॑हे। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॒ सु॒-
ग॒न्धि॒म्। पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॒ पु॒ष्टि॒-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वा॒रु॒क॒म्। इ॒व।
ब॒न्ध॒ना॒त्। मृ॒त्योः। मु॒क्षी॒य। मा। अ॒मृ॒ता॑त्॥ यो। रु॒द्रः। अ॒ग्नौ।
यः। अ॒प्स्वि॒त्य॑प्-सु। य। ओ॒ष॒धी॒षु। यः। रु॒द्रः। वि॒श्वौ।
भु॒व॒ना। आ॒वि॒वेशे॑त्या॒-वि॒वेश॑। तस्मै॑। रु॒द्राय॑। नमः॑। अ॒स्तु॒॥
॥ ॐ॥ शा॒न्तिः। शा॒न्तिः। शा॒न्तिः॥